सांध्य दैनिक 4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 9 ● अंक: 67 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, मंगलवार, 11 अप्रैल, 2023

विश्वास वो शक्ति है जिससे उजड़ी हुई दुनिया में भी प्रकश किया जा सकता है।
-हेलेन केलर

मूल्य ₹ 3/-

लोकतंत्र के हर खंभे को नष्ट कर रहे... 8 | शहरों में होगी हमारी सरकार...यहां... 3 | चुनाव आयोग के फैसले को अदालत... 7

पायलट का अनशन, हाईकमान को टेंशन

राजस्थान में राजे के भ्रष्टाचार पर कांग्रेस में घमासान

» पूर्व डिप्टी सीएम ने रखा एक दिन का मौनव्रत

» अपनी ही सरकार पर किया वार

» गहलोत के साथ शीर्ष नेतृत्व, बताया पार्टी विरोधी कृत्य

» धरना स्थल में एकजुट हुए कार्यकर्ता और समर्थक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। इस वर्ष राजस्थान में विधानसभ चुनाव होने है उससे पहले सत्तारुढ़ कांग्रेस पार्टी के अंदर सीएम अशोक गहलोत व पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट के बीच सियासी घमासान चरम पर पहुंच गया। सचिन पायलट पूर्ववर्ती भाजपा सरकार के घोटालों की जांच की मांग को लेकर अनशन पर बैठ गए हैं। अपनी ही सरकार से नाराज कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सचिन पायलट वसुंधरा राजे की सरकार में हुए भ्रष्टाचार के विरुद्ध

मौन व्रत भी रखेंगे।

हम जिएंगे और मरेंगे ऐ वतन तेरे लिए.... गीत के साथ मंच पर पहुंचे सचिन पायलट ने अपना अनशन शुरू कर दिया। इस दौरान तमाम कार्यकर्ता उनके साथ मंच पर मौजूद हुए हैं। वहीं, पूरा पंडाल भीड़ से भरा हुआ है। पायलट के समर्थन में सभी लोग देश भक्ति गीतों पर झूमते नजर आ रहे हैं। मीडिया ने सचिन पायलट से सवाल पूछने की काफी कोशिश की, लेकिन पायलट ने एक शब्द नहीं बोला। पायलट ने पूरी तरीके से मौन धारण कर लिया है। मीडिया के सवालों से बचते हुए वहां अनशन पर बैठ गए हैं।

समर्थन में कांग्रेस के बड़े नेता

सचिन पायलट की ओर से 11 अप्रैल को अनशन किए जाने के ऐलान के बाद उनके समर्थन में आचार्य प्रमोद कृष्णम और छत्तीसगढ़ कांग्रेस के टीएस देव सिंह उतर आए हैं। साल 2020 में सरकार के समर्थन करने वाले बहरोड़ के निर्दलीय विधायक बलजीत यादव ने भी सचिन पायलट का समर्थन किया है। यादव ने वसुंधरा राजे और सीएम अशोक गहलोत पर तंज कसते हुए ट्वीट किया है। अपने ट्वीट के जरिए उन्होंने कहा आखिर कोई तो है। जो इस गठजोड़ के खिलाफ आवाज उठा रहा है। राजस्थान के प्रभारी सुखविंदर सिंह रंधावा आज राजस्थान पहुंचे। रंधावा ने कल देर रात एक बयान जारी किया था। जिसमें कहा था कि सचिन के जो भी कंसर्न हैं, पार्टी फोरम में रखें। हाईकमान गहलोत के साथ है।

आलाकमान की नजर

सचिन पायलट के अनशन के बीच कांग्रेस आलाकमान भी एक्टिव हो गया है। राहुल गांधी से मिलने उनकी बहन प्रियंका गांधी, वरिष्ठ नेता के सी वेणुगोपाल और रणदीप सुरजेवाला पहुंचे हैं। माना जा रहा है कि ये नेता राजस्थान की स्थिति पर चर्चा करने वाले हैं। पायलट के अनशन से कांग्रेस में भूचाल मचा हुआ है। बताया जा रहा है कि गहलोत के कई करीबी भी पायलट खेमे में जा सकते हैं।

बैनर में पार्टी विरोधी कुछ भी नहीं : प्रमोद कृष्णन

वसुंधरा राजे के खिलाफ अनशन पार्टी विरोधी कैसे हो गया। अडानी के खिलाफ जब पूरी पार्टी एकजुट होकर लड़ रही है तो वसुंधरा राजे के घोटाले के विरोध में होने वाला अनशन पार्टी विरोधी कैसे हो गया। आचार्य प्रमोद ने लिखा कि किसी भी पोस्टर या बैनर में पार्टी विरोधी कुछ भी नहीं लिखा गया है। पायलट गुट ने कांग्रेस आलाकमान की नाराजगी और मामले की गंभीरता को समझते हुए अपनी सरकार के खिलाफ एक भी बात नहीं लिखी है। अनशन को पूरी तरह से वसुंधरा राजे पर केंद्रित किया गया है।

11 बजे से 5 बजे तक रहेगा मौन व्रत

सचिन पायलट के साथ कांग्रेस के बड़े नेताओं की बातचीत होने के संकेत हैं, जिसके बाद यह कदम उठाया गया है। चूंकि अनशन वसुंधरा राजे के विरुद्ध है, इसलिए पायलट द्वारा पार्टी विरोधी गतिविधियों के आरोप को नकारने का प्रयास किया जा रहा है। पायलट आज 11 बजे से 5 बजे तक मौन व्रत रखने वाले हैं, इस दौरान वो कई जवाब देने से बच जाएंगे।

बात घर में होनी चाहिए : खुर्शीद

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सलमान खुर्शीद ने कहा कि जो भी बात है वो घर में होनी चाहिए। बाहर बोलने की गलती नहीं करनी चाहिए। अगर कुछ है तो सीएम से मिलकर बोलें। सचिन के इस अनशन को पार्टी के खिलाफ खुला विद्रोह माना जा रहा है।

वायनाड के दौरे पर राहुल गांधी

» बहन प्रियंका के साथ जनसभा को करेंगे संबोधित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी आज को केरल के वायनाड दौरे पर हैं जहां से वह 2019 में संसद के लिए चुने गए थे। आपराधिक मानहानि के एक मामले में दोषी ठहराए जाने के बाद ऐसा पहली बार हो रहा है जब वह अपने संसदीय क्षेत्र गए। राहुल अपनी बहन प्रियंका गांधी के साथ वायनाड के दौरे पर जा रहे हैं, केरल कांग्रेस पार्टी ने इस संबंध में एक कार्यक्रम जारी किया है।

इस कार्यक्रम के मुताबिक वह वहां पर दो जनसभाओं को भी संबोधित कर सकते हैं, केरल विधानसभा के कांग्रेस सदस्य टी सिद्दीकी ने कहा, राहुल गांधी अपनी बहन प्रियंका और अन्य पार्टी नेताओं के साथ यहां पर रोड शो करेंगे और उसके बाद एक जनसभा को संबोधित करेंगे। कांग्रेस सूत्रों के मुताबिक, इस कार्यक्रम में राहुल की सदस्यता छीने जाने के खिलाफ शक्ति प्रदर्शन होगा। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि केरल की इस रोड शो में कांग्रेस के नेतृत्व वाले विपक्षी यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (यूपीए) के सभी दलों के कार्यकर्ता भी रोड शो में मौजूद रहेंगे। ये कार्यकर्ता इस रोड शो में कांग्रेस के झंडे की जगह पार्टी का झंडा थामे रहेंगे।

वायनाड के लोगों को पत्र

बीते हफ्ते राहुल गांधी ने अपनी संसद सदस्यता जाने को लेकर वायनाड के लोगों के नाम एक पत्र लिखा था। इस पत्र में उन्होंने पीएम मोदी के खिलाफ अपनी नीतियों की आलोचना के मद्देनजर अपने मतदाताओं को उन परिस्थितियों के बारे में बताया था जिसमें उनकी सदस्यता चली गई थी।

ईडी ऑफिस में तेजस्वी यादव से पूछताछ

» पीएमएलए के तहत मामला है दर्ज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। नौकरी के बदले जमीन घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में ईडी ने बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव को तलब किया है। तेजस्वी मंगलवार को पूछताछ के लिए दिल्ली स्थित ईडी के ऑफिस पहुंचे चुके हैं।

ईडी ने सीबीआइ की प्राथमिकी के आधार पर प्रिवेंशन आफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) के तहत मामला दर्ज किया है। इससे पहले उनकी बहन और राज्यसभा सदस्य मीसा भारती से ईडी ने पूछताछ की थी। जमीन के बदले नौकरी घोटाले में ईडी ने अब तक 600 करोड़ रुपये की मनी लॉन्ड्रिंग के साक्ष्य मिलने का दावा किया है। ईडी के अनुसार, अपराध से बनाई गई संपत्तियों में से 350 करोड़ की अचल संपत्ति है, जबकि 250 करोड़ रुपये बेनामी लोगों के माध्यम से लालू यादव के परिवार के पास आए थे।

हर स्तर पर भ्रष्टाचार और कमीशनखोरी : अखिलेश

» भाजपा को निकाय चुनाव में जनता सिखाएगी सबक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार में भ्रष्टाचार चरम पर है। सड़क बनाने से लेकर दवाओं की खरीद तक में हर स्तर पर भ्रष्टाचार और कमीशनखोरी है। प्रत्येक जिले के निर्माण कार्य में भ्रष्टाचार की परतें खुल रहीं हैं। सत्ताधारी पार्टी के विधायक खुद पत्र लिखकर अपनी ही सरकार के भ्रष्टाचार की पोल खोल रहे हैं।

जनता भाजपा सरकार के कुशासन, बेरोजगारी, महंगाई, भ्रष्टाचार से त्रस्त

सपा अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा सरकार में स्मार्ट सिटी और गंगा की सफाई के नाम पर जमकर लूट हुई है। पिछले दिनों शहरी क्षेत्रों में साफ-सफाई के अभाव में मच्छर जनित गंभीर बीमारियां डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया फैला। बीमारियों से कई लोगों की जान चली गयी। शहरी क्षेत्रों में हालात यह है कि लोगों को पीने के लिए कई स्थानों पर साफ पानी नहीं मिल रहा है।

प्रदेश की जनता भाजपा सरकार के कुशासन, महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार से त्रस्त है। भाजपा की डबल इंजन सरकार जनता को झूठे सपने दिखाकर बजट का बंदरबांट कर रही है। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव कहा कि प्रदेश की जनता भाजपा के झूठे वादे और भाषणों से ऊब चुकी है। जनता बदलाव चाहती है। प्रदेश की जनता नगर निकाय चुनाव और उसके बाद लोकसभा चुनाव में भाजपा के कुशासन का करारा जवाब देगी।

बीजेपी को कैमरे से है प्रेम

नई दिल्ली। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने मंगलवार को एक ट्वीट कर भाजपा पर तंज कसा है। इस ट्वीट में उन्होंने एक वीडियो भी साझा किया है, जिसमें सीएम योगी आदित्यनाथ के साथ वनमंत्री डा. अरुण कुमार सक्सेना भी दिखाई दे रहे हैं। वीडियो लखनऊ के एक कार्यक्रम का बताया जा रहा है। जिसमें वनमंत्री डा. अरुण कुमार सक्सेना को योगी के पास से फोटो विलक करवाने के लिए हटाया जा रहा है।अखिलेश यादव ने इसे बीजेपी का कैमरा प्रेम करार देते हुए कहा कि देखो 'दिल्ली-से-लखनऊ' तक फैला, ये कैसा 'भाजपाई कैमरा संस्कार'है! जिस मंत्री के मंत्रालय का कार्यक्रम है, वही निकाला जा रहा फ्रेम से बाहर है।

ईसी का रालोद को झटका छीना राज्य पार्टी का दर्जा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। भारत निर्वाचन आयोग ने राष्ट्रीय लोक दल की राज्य स्तर की पार्टी का दर्जा वापस ले लिया है। उप्र विधानसभा में नौ विधायकों वाली रालोद के लिए निकाय चुनाव से पूर्व हुआ यह फैसला बड़ा झटका माना जा रहा है। बताते चलें कि रालोद की स्थापना पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह के बेटे पूर्व केंद्रीय मंत्री चौधरी अजीत सिंह ने की थी। वर्तमान में चौधरी अजीत सिंह के बेटे चौधरी जयंत सिंह पार्टी की बागडोर संभाल रहे हैं।

केंद्रीय निर्वाचन आयोग ने रालोद का राज्य स्तर की पार्टी का दर्जा वापस लेने का आदेश जारी कर दिया। आयोग के मुताबिक विधानसभा चुनाव में हिस्सा लेने वाले दल को कुल वोटों का न्यूनतम छह प्रतिशत हासिल करने पर राज्य स्तर के दल की मान्यता दी जा सकती है। वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव में रालोद ने आठ सीटों पर जीत हासिल की थी, हालांकि उसे महज 2.85 प्रतिशत वोट ही हासिल किया था। इसी तरह वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में रालोद के हिस्से में कोई सीट नहीं आई थी। उसे महज 1.69 प्रतिशत वोट हासिल हुए थे। वर्ष 2017 के विधानसभा चुनाव उसे एक सीट पर जीत हासिल हुई थी, हालांकि वोट 1.78 प्रतिशत ही मिले थे। वर्ष 2014 के लोकसभा चुनाव में भी रालोद के खाते में कोई सीट नहीं आई। उसे चुनाव में 0.86 प्रतिशत वोट मिले थे। वर्ष 2012 के विधानसभा चुनाव में रालोद ने 2.33 प्रतिशत वोट पाकर नौ सीटों पर जीत हासिल की थी।

निकाय चुनाव आरक्षण में नियमों को रखा गया ताक पर : मायावती

» बोलीं-चुनाव निष्पक्ष होने चाहिए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बसपा सुप्रीमो मायावती ने कहा है कि सरकारी जोड़-तोड़ के कारण नगर निकाय चुनाव में एससी-एसटी, ओबीसी और महिलाओं के लिए जो आरक्षण की व्यवस्था की गई है, उसमें कई नियमों को ताक पर रखा गया है। काफी सस्पेंस और लंबे इंतजार के बाद नगर निकाय चुनाव की घोषणा स्वागतयोग्य है, पर चुनाव निष्पक्ष होने चाहिए। वहीं होनी चाहिए।

नगर निगम में चुनाव ईवीएम की बजाय बैलेट पेपर से कराए जाने चाहिए। उन्होने यह भी कहा कि बसपा मजबूती से यह चुनाव लड़ेगी। बसपा सुप्रीमो ने कहा कि भाजपा के लोग भी सपा की तरह ही इस चुनाव को चुनौतीपूर्ण मानकर जिस प्रकार के हथकंडे अपनाने में लगे हैं, वह अनुचित है। अब भाजपा और आरएसएस का पसमांदा मुस्लिम समाज का नया शिगूफा सामने आया है। सही बात यह है कि मुस्लिम समाज के प्रति भाजपा की घातक नीयत किसी से छिपी नहीं है। कांग्रेस व सपा की पिछली सरकारों और अब भाजपा सरकार की गलत नीतियों के कारण पूरा प्रदेश ही पसमांदा बन गया है। उन्होंने कहा कि भाजपा के मिथ्या प्रचारों, लुभावने वादों व भड़काऊ भाषणों से सभी को सावधान रहना होगा। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) नगर निकाय चुनावों की घोषणा का स्वागत करती है। हमारी सरकार और संबंधित अधिकारियों से अपील है कि वह चुनाव ईवीएम से न कराकर बैलट पेपर से कराएं। बसपा सुप्रीमो मायावती ने कहा कि माफिया अतीक अहमद की पत्नी शाइस्ता या उसके परिवार के किसी भी सदस्य को चुनाव नहीं लड़ाया जाएगा। उमेश पाल हत्याकांड में अतीक की पत्नी का नाम आने पर अब स्थिति बदल गई है। शाइस्ता को पार्टी में रखा जाएगा या नहीं, इसका फैसला उसके पुलिस गिरफ्त में आने के बाद जो तथ्य सामने आएंगे, उसके आधार पर लिया जाएगा।

आप को मिला राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा

» 2016 में समीक्षा के नियमों में किया गया था बदलाव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने बताया कि आम आदमी पार्टी को चार राज्यों- दिल्ली, गोवा, पंजाब और गुजरात में उसके चुनावी प्रदर्शन के आधार पर राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा दिया गया है। अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली पार्टी दिल्ली और पंजाब में सत्ता में है। आम आदमी पार्टी को राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा मिल गया है।

इसके अलावा शरद पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) और ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस का राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा छीन लिया गया है। इसके साथ ही कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (मक्सवादी) का भी राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा छिन गया है। चुनाव आयोग की ओर से यह जानकारी दी गई है। चुनाव आयोग ने बताया कि आम आदमी पार्टी को चार राज्यों- दिल्ली, गोवा, पंजाब

और गुजरात में उसके चुनावी प्रदर्शन के आधार पर राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा दिया गया है। अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली पार्टी दिल्ली और पंजाब में सत्ता में है। दरअसल, चुनाव आयोग ने 2016 में राष्ट्रीय पार्टी की स्थिति की समीक्षा के नियमों में बदलाव किया था। अब समीक्षा पांच के बजाए 10 साल में किए जाने का प्रावधान किया गया है। हालांकि, किसी भी राष्ट्रीय पार्टी के लिए आवश्यक है ष्टकि उसके उम्मीदवार देश में कम से कम चार से ज्यादा राज्यों में छह प्रतिशत से अधिक मत हासिल करें। लोकसभा में उसका प्रतिनिधित्व कम से कम चार सांसदों का हो। वैसे तो आयोग को 2019 में ही टीएमसी, सीपीआई और एनसीपी को राष्ट्रीय दल की समीक्षा करनी थी, लेकिन तब आगामी राज्यों के चुनावों को देखते हुए आयोग ने समीक्षा नहीं की।

इन पार्टियों को मिला राज्य स्तरीय पार्टी का दर्जा

नगालैंड में लोक जनशक्ति पार्टी, त्रिपुरा में टिपरा मोथा, पश्चिम बंगाल में रिवोल्यूशनरी सोशलिस्ट पार्टी, मेघालय में वॉइस ऑफ द पीपुल पार्टी, नगालैंड में राकांपा, मेघालय में तृणमूल कांग्रेस।

इन पार्टियों को भी लगा झटका

आंध्र प्रदेश में भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) का क्षेत्रीय पार्टी का दर्जा छिन गया है। तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने पिछले साल ही तेलंगाना राष्ट्र समिति (टीआरएस) का नाम बदलकर भारत राष्ट्र समिति कर दिया था। इसके अलावा उत्तर प्रदेश में राष्ट्रीय लोक दल (रालोद) को राज्य पार्टी का दर्जा वापस ले लिया है।

भाजपा के सभी वादे खोखले : सचिन यादव

» दृष्टि पत्र दिखा बोले- किसानों को ठगने का काम कर रही शिवराज सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मध्य प्रदेश में विधानसभा चुनाव से पहले राजनीति पार्टियों के बीच आरोप-प्रत्यरोप तेज हो गए है। सोमवार को पूर्व कृषि मंत्री और कांग्रेस विधायक सचिन यादव ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा भाजपा की सरकार ने किसानों को ठगने का काम कर रही है।

पिछले 18 साल से भाजपा सरकार में बैठी है, उन्हें जवाब देना है, लेकिन वह विपक्ष से सवाल पूछे जा रहे हैं। यादव ने पिछले विधानसभा का भाजपा का दृष्ट पत्र को दिखाते हुए कहा कि किसानों से किया कोई वादा पूरा नहीं किया गया। उन्होंने अपने वादों के लिए बजट में कोई प्रावधान नहीं करने की भी बात कही। उन्होंने कहा कि भाजपा के सभी वादे खोखले साबित हुए है। यादव ने कहा कि उच्च गुणवत्ता के बीज किसानों को रियासत दारों पर दिए जाएंगे, लेकिन बजट में हम देखते हैं कि सूरजधारा-अन्नपूर्णा जैसी योजनाओं में बजट का प्रावधान जीरो कर दिया गया है।

शहरों में होगी हमारी सरकार...यहां के हम हैं दोवदार..

अब महापौर, अध्यक्ष व सभासद बनने का सपना होगा पूरा

» प्रत्याशी पार्टी दफ्तरों के लगाने लगे चक्कर

» भाजपा, सपा, बसपा, कांग्रेस ने शुरू की तैयारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी चुनाव आयोग ने नगर निगम चुनावों की तारीखों की घोषणा कर दी है। इस घोषणा के साथ ही पूरे प्रदेश में शहरी चुनावी राजनीति में प्रत्याशियों को लेकर सरगर्मियां भी तेज हो गई है। सपा, भाजपा, कांग्रेस, बसपा से लेकर आप तक के कार्यालयों में सभासदी, अध्यक्षी व मेयर की कुर्सी चाहने वालों की भीड़ जुटने लगी है। उत्तर प्रदेश में निकाय चुनावों का ऐलान कर दिया गया है। प्रदेश में निकाय के 14 हजार से ज्यादा पदों के लिए 4 और 11 मई को मतदान होंगे। 13 मई को वोटों की गिनती की जाएगी। इस बार के निकाय चुनाव में नगर निगम के पदों पर ईवीएम से वोटिंग कराई जाएगी, जबकि नगर पालिका और नगर पंचायत में बैलट पेपर के जरिए ही वोटिंग होगी। इस बार के चुनाव में मतदाताओं की संख्या तो बढ़ी ही है। साथ ही निकायों की संख्या और मतदान केंद्र भी बढ़ाए गए हैं।

प्रदेश के 760 निकायों के 14684 पदों पर 4 और 11 मई को निर्वाचन कराया जाएगा। प्रदेश के 17 नगर निगमों में ईवीएम से वोटिंग कराई जाएगी जबकि नगर पालिका और नगर पंचायत अध्यक्ष और सदस्यों का चुनाव बैलट पेपर से होगा। चुनाव आयुक्त ने बताया कि साल 2017 के मुकाबले इस बार चुनाव में मतदाताओं की संख्या भी बढ़ी है। करीब 96 लाख 35 हजार 832 वोटर्स इस बार बढ़े हैं। वहीं, 2017 के सापेक्ष इस बार सात निकाय भी बढ़े हैं। 653 निकाय साल 2017 में थे, जबकि इस बार 760 निकायों में वोटिंग होगी। इस बार वोटिंग के लिए 2 हजार 361 मतदान केंद्र बढ़ाए गए हैं। साल 2017 के मुकाबले साल 2023 में 2024 पदों (अध्यक्ष, महापौर और पार्षद) की भी बढ़ोतरी हुई है। चुनाव आयुक्त ने बताया कि साल 2023 में 2 लाख मतदानकर्मियों की जरूरत पड़ेगी। महापौर के लिए (80 वार्ड से कम) 35 लाख रुपये, (80 से ज्यादा) 40 लाख रुपये, नगर पालिका के लिए 9 लाख और 12 लाख, पार्षद नगर निगम के लिए 3 लाख की खर्च सीमा रखी गई है। चुनाव आयुक्त ने कहा कि निकाय चुनाव में अतिसंवेदनशील केंद्रों का चिह्नीकरण किया जा रहा है। इसके हिसाब से सुरक्षा व्यवस्था का इंतजाम किया जाएगा।

कई नामों की चर्चा

संयुक्ता भाटिया लखनऊ की पहली मेयर का खिताब इनके नाम है। साल 2017 के चुनाव में 3,77,166 वोट मिले थे। उन्होंने सपा प्रत्याशी मीरा वर्धन को करीब 1.31 लाख वोटों से हराया था। रेशू भाटिया बीजेपी क्षेत्रीय महिला मोर्चा में कोषाध्यक्ष हैं। पिछले एक दशक से पार्टी में सक्रिय हैं। निवर्तमान मेयर संयुक्ता भाटिया की बहू हैं। पति प्रशांत भाटिया संघ में सक्रिय हैं। अपर्णा यादव सपा के पूर्व अध्यक्ष मुलायम सिंह यादव की बहू हैं। विधानसभा चुनाव से पहले बीजेपी में आईं। चुनाव के लिए बनी महिला टीम की सक्रिय सदस्य रहीं। अब तक कोई पद या दायित्व नहीं मिला है। बिंदू बोरा- सामाजिक कार्यक्रमों के साथ समाजसेवा के क्षेत्र में सक्रिय रहीं। लखनऊ उत्तर से विधायक डॉ. नीरज बोरा की पत्नी हैं। उत्तर विधानसभा के अलावा लखनऊ के कई इलाकों में उनकी सक्रियता है। अलका दास बाबू बनारसी दास की बहू और पूर्व मेयर अखिलेश दास की पत्नी हैं।। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, राज्यसभा के लिए भी उनके नाम की पैरवी हुई थी। अब मेयर के टिकट के लिए उनके नाम की चर्चा है। नम्रता पाठकडिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक की पत्नी हैं। पिछले कुछ बरसों से सामाजिक कार्यक्रम और समाजसेवा के क्षेत्र में सक्रिय रही हैं। बीजेपी संगठन में कोई पद नहीं है, लेकिन पार्टी के अभियानों में सक्रिय हैं।

मेयर पद के लिए पैरवी में नेता

नगर निगम चुनाव की अधिसूचना जारी होते ही हर दल में टिकट को लेकर सरगर्मी बढ़ गई है। पर्दे के पीछे दावेदारों ने पैरवी तेज कर दी है। दावेदार देर शाम से पार्टी कार्यालय से लेकर बड़े नेताओं की चौखट पर पहुंचने लगे। एक तरफ बीजेपी में सास-बहू और बड़े नेताओं की पत्नियों को लेकर चर्चाओं का बाजार गर्म है, वहीं सपा में ब्राह्मण चेहरे को टिकट मिलने की चर्चा है। हालांकि बसपा में सबकी निगाहें पार्टी सुप्रीमो मायावती की तरफ टिकी हैं जबकि कांग्रेस से एक पूर्व मंत्री की बेटी को दावेदार बताया जा रहा है। हालांकि किस दल से किसे टिकट मिलेगा और कौन कौन मैदान में उतरेगा? यह नामांकन शुरू होने के साथ पता चलेगा। बीजेपी में पर्दे के पीछे से दावेदारी तेज हो गई है। टिकट की आस में लखनऊ से लेकर दिल्ली तक दावेदार दौड़ लगाने लगे हैं। पार्टी से लेकर संघ कार्यालय तक सरगर्मियां तेज हो गई हैं। लेकिन पार्टी चौंकाने वाला चेहरा भी मैदान में उतार सकती है।

सपा ब्राह्मणों पर डालेगी डोरे

सपा ब्राह्मण चेहरे पर दांव! निकाय चुनाव का बिगुल फूंकने के साथ सपा में मेयर कैंडिडेट के नाम पर मंथन तेज हो गया है। पार्टी राजधानी में जातीय समीकरण को साधने के लिए मेयर कैंडिडेट पर किसी ब्राह्मण चेहरे पर दांव लगा सकती है। नगर सपा कार्यालय में भी मेयर पद के लिए कई ब्राह्मण चेहरे ने आवेदन भी किया है। जबकि पूर्व मंत्री अभिषेक मिश्रा की पत्नी स्वाति मिश्रा का नाम टिकट की रेस में सबसे आगे चल रहा है। टिकट के लिए ये हैं दौड़ में

स्वाति मिश्रा पूर्व मंत्री अभिषेक मिश्रा की पत्नी हैं। इन्हें पूर्व सीएम अखिलेश यादव का सबसे करीबी माना जाता है।वहीं ज्योति शुक्ला सपा के टिकट पर डालीगंज वॉर्ड से दो बार पार्षद रह चुकी हैं। साथ ही इनके पति मुकेश शुक्ला भी सपा से पार्षद रह चुके हैं। अल्पना वाजपेयी लखनऊ विश्वविद्यालय छात्रसंघ में उपाध्यक्ष पद पर निर्वाचित रह चुकी हैं। किरन पाण्डेय सपा में निवर्तमान नगर महिला सभा की अध्यक्ष रह चुकी हैं। मीरा वर्धन- साल 2017 में मेयर पद पर चुनाव लड़ चुकी हैं। मेयर चुनाव में दूसरे स्थान पर रही थीं। कांति सिंह सपा के समर्थन से साल 2014 में एमएलसी का चुनाव जीता था। श्वेता मनोचा पति पवन मनोचा सपा व्यापार सभा के उपाध्यक्ष रह चुक हैं। साथ ही पंजाबी समाज से ताल्लुक रखते हैं। मुस्लिम चेहरे पर भी विचार- मुस्लिम चेहरा मुनव्वर राना की बेटी सुमैया राना ने भी आवेदन किया है। इसके अलावा सपा नेता नाहिद लारी खान भी मेयर का चुनाव लड़ने की इच्छा जता चुकी हैं।

आप ने भी दुरुस्त की अपनी क्षमता

आम आदमी पार्टी (आप) में लखनऊ मेयर प्रत्याशी के लिए अब तक करीब 15 आवेदन आ चुके हैं। इनमें ज्यादातर शिक्षक, चिकित्सक, ब्यूरोक्रेट्स, अधिवक्ता और सामाजिक क्षेत्रों में काम का अनुभव रखने वाली महिलाएं हैं। सूत्रों के मुताबिक, सबसे मजबूत दावेदारों में नीलम यादव, इस्मा जहीर, कायनाथ सिद्दीकी और सौम्या भट्ट के नाम बताए जा रहे हैं। इस बारे में आप जिलाध्यक्ष रोहित श्रीवास्तव का कहना है कि फिलपाल स्क्रीनिंग कमिटी आवेदकों के विभिन्न पहलुओं पर मंथन कर रही है। वहीं सौम्या भट्ट सामाजिक कार्यकर्ता हैं। उन्होंने दो दिन पहले ही दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सदस्यता ली है। वह एक लॉ फर्म भी चलाती हैं। नीलम यादव- वर्तमान में प्रदेश महिला विंग की अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी संभाल

रही है। वह केंद्रीय कार्यकारिणी की सदस्य भी है। प्रदेश संगठन में उनकी मजबूत पैठ बताई जा रही है।इस्मा जहीर- गोमतीनगर निवासी इस्मा पार्टी के खेल प्रकोष्ठ की प्रदेश अध्यक्ष हैं।कायनात सिद्दीकी- इंदिरानगर निवासी कायनात सिद्दीकी पेशे से आर्किटेक्ट हैं। वह पार्टी में तिरंगा शाखा प्रमुख हैं। उन्होंने पिछले विधानसभा चुनाव में लखनऊ पूर्वी से आप के टिकट पर चुनाव लड़ा था।

543 निकायों में चुनाव

बता दें कि उत्तर प्रदेश के 17 नगर निगम, 199 नगर पालिका और 543 नगर पंचायत चुनावों के लिए मतदान कराए जाएंगे। इसके अलावा तकरीबन 4 हजार पार्षद इस प्रक्रिया के तहत चुने जाएंगे। बीते दिनो उत्तर प्रदेश सरकार ने निकाय चुनावों को लेकर आरक्षण की अधिसूचना जारी की थी। इसके तहत महिलाओं के लिए 288 सीटें आरक्षित की गई हैं। इसके अलावा ओबीसी के लिए 205 सीटें, एससी के लिए 110, एसटी के लिए 2 सीटें आरक्षित की गई हैं। ओबीसी आरक्षण को लेकर पेच फंसने के बाद ही दिसंबर 2022 में होने वाले चुनाव को अब कराया जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने प्रदेश सरकार की ओर से जारी ओबीसी आरक्षण की अधिसूचना को खारिज कर दिया था और बिना आरक्षण ही चुनाव कराने के निर्देश दिए थे। आरक्षण तय करने में प्रक्रिया का पालन न किए जाने का हवाला देकर अधिसूचना खारिज की गई थी। इसके बाद योगी सरकार ने पिछड़ा वर्ग आयोग गठित कर नए सिरे से आरक्षण के लिए सर्वे कराया और फिर अधिसूचना जारी की थी।

चुनाव आयोग ने कही ये बातें

1- 14684 पदों पर निर्वाचन कराया जाएगा।
2- पालिका और नगर पंचायत अध्यक्ष और सदस्यों का चुनाव मतपेटिका से जरिए किया जाएगा।
3- साल 2017 के मुकाबले इस चुनाव में मतदाताओं की संख्या बढ़ी है। करीब 96 लाख 35 हजार 832 वोटर्स इस बार बढ़े हैं।
4- 2017 के सापेक्ष इस बार सात निकाय बढ़े हैं। 760 निकाय इस बार हैं। 653 साल 2017 में थे।
5- 2 हजार 361 मतदान केंद्र बढ़ाए गए हैं।
6- साल 2017 के मुकाबले साल 2023 में 2024 पदों (अध्यक्ष महापौर और पार्षद) की बढ़ोतरी हुई है।
7- साल 2023 में 2 लाख मतदानकर्मियों की जरूरत पड़ेगी।
8- महापौर के लिए 80 वार्ड से कम 35 लाख रुपये, 80 से ज्यादा 40 लाख रुपये। नगर पालिका के लिए 9 लाख और 12 लाख। पार्षद नगर निगम के लिए 3 लाख खर्च सीमा होगी। अतिसंवेदनशील केंद्रों का चिह्नीकरण किया जा रहा है। जिलाधिकारियों को कहा है कि संवेदनशीलता का आकलन करके सूचित करें।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

पूर्वानुमान ने बच जाएगा किसान!

भारत में इस बार बारिश कितनी और कैसी होगी, इसका पहला पूर्वानुमान जारी हो गया है। वेदर रिपोर्ट देने वाली एजेंसी स्काईमेट ने मॉनसून 2023 के लिए अपना पूर्वानुमान जारी किया है, जो काफी डरा देने वाली है। स्काईमेट ने बताया कि एलपीए यानी की लॉन्ग पीरियड एवरेज का 94 फीसदी बारिश होने का अनुमान है।

जाड़े में मौसम ने समय-समय पर अपने तेवर बदलकर लोगो को हलकान किया वैसा ही कुछ गर्मी में होने वाला है। यही नहीं इसबार बारिश भी कम हो सकती है। ये सब आंकड़े पहले से तैयार एक एजेंसी ने बताई। खैर आगे क्या होगा ये तो समय बताएगा परंतु ये एक अच्छा संकेत है कि मौसम का पूर्वानुमान हो जाएगा। इसका लाभ किसानों को सबसे ज्यादा होग। बर्षा जनित आपदाओं से बचने में मदद मिलेगी। भारत में इस बार बारिश कितनी और कैसी होगी, इसका पहला पूर्वानुमान जारी हो गया है। वेदर रिपोर्ट देने वाली एजेंसी स्काईमेट ने मॉनसून 2023 के लिए अपना पूर्वानुमान जारी किया है, जो काफी डरा देने वाली है। स्काईमेट ने बताया कि एलपीए यानी की लॉन्ग पीरियड एवरेज का 94 फीसदी बारिश होने का अनुमान है। स्काईमेट के प्रबंध निदेशक ने एक बयान में कहा कि ला नीना के खत्म होने के बाद अब आने वाले दिनों में अल नीनो दस्तक देने वाली है,जिसके कारण मॉनसून के कमजोर रहने की संभावना बन रही है।

भारत में मानसून की बारिश लंबी अवधि के औसत का 94प्रतिशत रहने की उम्मीद है। भारत मौसम विज्ञान विभाग भी जल्द ही अपने वार्षिक मानसून पूर्वानुमान की घोषणा कर सकता है। आपको बता दें कि भारत के लगभग आधे से ज्यादा किसान अपन खेत में चावल, मक्का, गन्ना, कपास और सोयाबीन जैसी फसलों को उगाने के लिए वार्षिक जून-सितंबर बारिश पर निर्भर करते है। स्काईमेट को उम्मीद है कि देश के उत्तरी और मध्य हिस्सों में बारिश की कमी का खतरा बना रहेगा। स्काईमेट के अनुसार, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और उत्तर प्रदेश में सीजन की दूसरी छमाही के दौरान सामान्य से कम बारिश होने की संभावना है। इस बीच, बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि ने भारत के उपजाऊ उत्तरी, मध्य और पश्चिमी मैदानी इलाकों में गेहूं जैसी फसलों को काफी नुकसान पहुंचाया है। इससे हजारों किसानों को नुकसान हुआ है। मॉनसून पर अल नीनो का खतरा मंडराया हुआ है। इसके कारण बारिश सामान्य से भी काफी कम होती है। अनुमान जताया जा रहा है कि अल नीनो का प्रभाव मई से जुलाई महीने के बीच देखा जा सकता है। बता दें कि अल नीनो का मतलब है कि जब समुद्र का तापमान और वायुमंडलीय परिस्थितियों में जो बदलाव आते हैं उसी समुद्री घटना को अल नीनो कहा जाता है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

सौरमंडल से बाहर जीवन की उम्मीदें

मुकुल व्यास

ब्रह्मांड में क्या सचमुच एलियंस मौजूद हैं? और यदि हैं तो वे कहां छिपे हुए हैं? ये प्रश्न हमें हमेशा अचंभित करते रहते हैं। पारलौकिक जीवन की उपस्थिति के बारे में खगोल वैज्ञानिक नई-नई संभावनाओं पर विचार करते रहते हैं। अब उनका ध्यान हमारे सौरमंडल से बाहर कुछ ऐसे ग्रहों की तरफ गया है जिनका एक भाग हमेशा अपने सूरज की तरफ रहता है। ऐसे ग्रहों का दूसरा भाग स्थायी रूप से अंधेरे में रहता है। भला ऐसे ग्रहों पर जीवन कैसे हो सकता है जहां दिन वाले भाग में झुलसा देने वाली गर्मी पड़ती हो और रात वाले हिस्से में बर्फीली ठंड पड़ती हो। यह एक असंभव सी बात है। खगोल वैज्ञानिकों ने पता लगाया है कि ऐसे ग्रहों पर दिन और रात को विभाजित करने वाली एक पट्टी होती है। उन्होंने इस पट्टी का नाम 'टर्मिनेटर जोन' रखा है। उनका कहना है कि पारलौकिक जीव इन ग्रहों के टर्मिनेटर जोन में छिपे हो सकते हैं क्योंकि यहां न ज्यादा गर्मी होती है और न ज्यादा ठंड।

हमारे सौर मंडल के बाहर के कई ग्रह ज्वारीय रूप से बंधे हुए हैं। इसका अर्थ यह है कि इन्हें एक तरफ हमेशा उस तारे का सामना करना पड़ता है जिसकी वे परिक्रमा करते हैं और दूसरी तरफ स्थायी अंधकार रहता है। कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय के खगोल वैज्ञानिकों ने पाया कि इन ग्रहों के चारों ओर एक पट्टी है जो तरल पानी को रोकने में सक्षम हो सकती है। इस अध्ययन की प्रमुख लेखक और खगोल वैज्ञानिक डॉ. एना लोबो ने कहा कि ऐसे ग्रह पर दिन का भाग झुलसाने वाला हो सकता है और रात का पक्ष बर्फ से ढका हुआ हो सकता है। अत: यहां परिस्थितियां किसी भी दृष्टि से जीवन के लिए अनुकूल नहीं हैं। हमें एक ऐसा ग्रह चाहिए जो तरल पानी रखने के लिए सही तापमान के अनुकूल स्थान पर हो। द्रव्यमान वाले किसी भी पिंड में गुरुत्वाकर्षण होता है। जितना अधिक द्रव्यमान होता है, उसका गुरुत्वाकर्षण खिंचाव उतना ही अधिक होता है। किसी तारे की परिक्रमा करने वाले ग्रह के मामले में तारे का गुरुत्वाकर्षण बल ग्रह को अपनी ओर खींचता है, जबकि ग्रह का अपना गुरुत्वाकर्षण भी उसे तारे की ओर खींचता है।

किसी भी ग्रह के कक्षा में बंधने से पहले उसका कक्षीय पथ गुरुत्वाकर्षण बलों के संयोजन के साथ-साथ उसकी गति और दिशा से निर्धारित होता है। यदि कोई ग्रह किसी तारे के बेहद करीब परिक्रमा करता है, तो तारे का गुरुत्वाकर्षण ग्रह के आकार

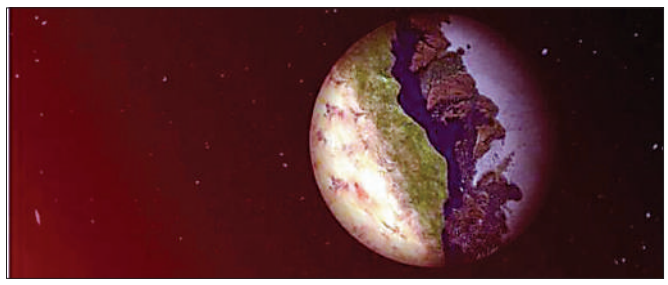

को विकृत कर सकता है, इसलिए यह एक तरफ उभर जाता है। ज्वारीय रूप से बंधे हुए बाहरी ग्रह के एम श्रेणी के बौने तारों के आसपास मौजूद होने की संभावना अधिक होती है। एम श्रेणी का लाल बौना तारा हमारे सूर्य से ठंडा और छोटा होता है। छोटे तारे अपनी कक्षा में छोटे बाहरी ग्रहों को पकड़ने की अधिक संभावना रखते हैं। छोटे ग्रह बड़े ग्रहों की तुलना में ज्वारीय बलों के प्रति अधिक संवेदनशील होते हैं। रात के आकाश में दिखने वाले तारों में करीब 70 प्रतिशत एम श्रेणी के तारे हैं। अत: ज्वारीय रूप से बंधे हुए ग्रह अपेक्षाकृत सामान्य हैं। द एस्ट्रोफिजिकल जर्नल में प्रकाशित अपने अध्ययन के लिए शोधकर्ता यह पता लगाना चाहते थे कि क्या इन ग्रहों में जीवन को बनाए रखने की स्थिति है। उन्होंने अपने कंप्यूटर मॉडल में ज्वारीय रूप से बंधे हुए बाहरी ग्रहों की जलवायु का अनुकरण किया। उन्होंने इन ग्रहों के टर्मिनेटर जोन के चारों ओर एक सही क्षेत्र को उजागर किया जो तरल पानी को धारण कर सकता था और जीवन के अस्तित्व को सक्षम बना सकता था। हालांकि ऐसा तभी संभव है जब ग्रह पर बहुत सारी भूमि हो। यदि यह काफी हद तक समुद्र में ढका हुआ है तो दिन के समय पानी वाष्पित हो जाएगा और ग्रह को वाष्प में ढक देगा। इससे टर्मिनेटर ज़ोन का तापमान बदल जाएगा और यह रहने योग्य नहीं रह जाएगा।

इस अध्ययन की सह-लेखक डॉ. आओमावा शील्ड्स ने कहा,अगर ग्रह पर बहुत सारी जमीन है,तो टर्मिनेटर जोन की आवास योग्यता वहां बहुत आसानी से मौजूद हो सकती है। ये नए आवास योग्य स्थान बताते हैं कि ये अब साइंस फिक्शन की सामग्री नहीं है। ऐसे क्षेत्र जलवायु की दृष्टि से स्थिर हो सकते हैं। डॉ. लोबो ने कहा, हम और अधिक जल-सीमित ग्रहों पर ध्यान केंद्रित करने की कोशिश कर रहे हैं, जहां बड़े महासागर नहीं होने के बावजूद झीलें या तरल पानी के अन्य छोटे जलाशय हो सकते हैं। ऐसे ग्रहों की जलवायु वास्तव में बहुत ही आशाजनक हो सकती है। बाहरी ग्रहों पर जीवन के संकेतों की तलाश कर रहे वैज्ञानिकों को इस बात की जानकारी होनी चाहिए कि पारलौकिक प्राणी ग्रहों के विशिष्ट क्षेत्रों में भी छिपे हो सकते हैं। नए अध्ययन ने उन ग्रहों के दायरे को भी बढ़ा दिया है जहां जीवन खोजा जा सकता है। इस बीच, खगोल वैज्ञानिकों ने महज 31 प्रकाश वर्ष दूर एक पृथ्वी जैसा ग्रह खोजा है जिस पर जीवन हो सकता है।

संस्कारों की दृढ़ता से कुसंगति से मुक्ति

दिनेश चमोला 'शैलेश'

संगति की किसी भी मनुष्य के जीवन-विकास अथवा जीवन-लक्ष्य निर्धारण में अपूर्व भूमिका होती है। जिस तरह की संगति में हम रहते हैं, वैसी ही गुणात्मकता अथवा निकृष्टता नैसर्गिक रूप से हमारे चरित्र को आच्छादित कर देती है और धीरे-धीरे हम उसके समकक्ष अथवा उसी श्रृंखला में अग्रिम स्थिति में आने या लक्ष्य पाने के उत्प्रेरित अथवा बाध्य हो जाते हैं।

जीवन के विकास तथा व्यक्तित्व के निर्माण में पास-परिवेश एवं सामाजिक स्थितियों की महती भूमिका होती है। जिस परिवेश में मनुष्य, बचपन से जीवन यापन करता चलता है, संस्कारों से उस उर्वरा भूमि से ही वह जहां कुछ न कुछ सीखता है, वहीं सक्षम होने पर कुछ न कुछ नैसर्गिक रूप से उसे भी गुणात्मक रूप में लौटाता भी रहता है। संगति अथवा कुसंगति का प्रभाव, मानवीय चरित्र के विकास व ह्रास की दिशा व दशा को सुधारने अथवा बिगाड़ने में पूर्ण रूप से सहायक होता है।

संगति की किसी भी मनुष्य के जीवन-विकास अथवा जीवन-लक्ष्य निर्धारण में अपूर्व भूमिका होती है। जिस तरह की संगति में हम रहते हैं, वैसी ही गुणात्मकता अथवा निकृष्टता नैसर्गिक रूप से हमारे चरित्र को आच्छादित कर देती है और धीरे-धीरे हम उसके समकक्ष अथवा उसी श्रृंखला में अग्रिम स्थिति में आने या लक्ष्य पाने के उत्प्रेरित अथवा बाध्य हो जाते हैं। कुसंगति का दंश, संगति के सुखद सहचर्य से अधिक भयावह, विषाक्त व कलुषित करने वाला होता है। कभी-कभी गुणात्मकता पास-परिवेश को उतनी तीव्रता से प्रभावित नहीं कर पाती, जितनी कि अवगुणों की नकारात्मकता। एक अवगुण, सौ गुणों के महत्व को भी धूल-धूसरित करने में देर नहीं लगाता। कलियुग में गुणात्मकता, पुण्य, सत्य व आदर्श का प्रसार जितनी धीमी गति से होता है, उसकी अपेक्षा असत्य, पाप, अवगुण व नकारात्मकता का प्रभुत्व, प्रभाव व प्रसार, तीव्रतर गति से होता है। सत्य, को सत्य सिद्ध करने के लिए एकमात्र सत्य ही होता है, जबकि एक असत्य, सत्य को असत्य सिद्ध करने के लिए सैकड़ों सत्यों की सप्रमाण रचना कर देता है। यह बात दीगर है कि अंतत: 'सत्यमेव जयते' यानी 'सत्य ही विजयी होता है।' लेकिन यह अवश्य है कि अवगुण की संगति करने पर महिमा गुण की घटती है। संसार में अपात्र, अयोग्य, दुर्जन व नीच का संग करने से किसको हानि नहीं हुई है ? स्वयं महासमुद्र तक व्यभिचारी रावण के पड़ोसी होने पर स्वयं को कलंकित महसूस करता है। इसीलिए कविवर रहीम कुसंगति के दुष्प्रभाव के दंश को इन शब्दों में निरूपित करते हैं :-

बसि कुसंग चाहत कुसल, यह रहीम अफसोस।
महिमा घटी समुद्र की, रावण बसा परोस॥

कुसंगति के प्रभाव से जहां गुणात्मकता कलुषित होती है, वहीं असत्य व अवगुणों को सीना फुलाकर अन्यान्य मार्गों में आगे बढ़ने के अवसर मिल जाते हैं। इससे सत्य जहां कु-परिभाषित होकर झूठ के कटघरे में खड़े हो जाने के लिए बाध्य हो जाता है, वहीं असत्य एवं अवगुण को गरिमा, महत्व एवं उपादेयता की हांडी हाथ लग जाती है। जिस अनुपात में सज्जन के सत्संग से दुर्जन की गुणात्मकता का ग्राफ ऊपर की ओर बढ़ता है, उसी अनुपात में दुर्जन की संगति से सज्जन का चरित्र, व्यक्तित्व एवं गुणवत्ता क्रमश: कलंकित होती चली जाती है। जिस प्रकार मदिरा विक्रय करने वाला चाहे अपने हाथ में श्रेष्ठ दूध का पात्र ही क्यों न ले ले, लेकिन उसके ग्राहकों को उसमें भी मदिरा होने के भ्रम से मुक्त नहीं किया जा सकता। कुसंगति, उस जोक की तरह है जो उनकी गुणात्मकता के लहू को सोख कर ही दम लेती है। तभी तो विवश होकर रहीम को कहना पड़ता है:-

रहिमन नीचन संग बसि, लगत कलंक न काहि।
दूध कलारिन हाथ लखि, मद समुझहिं सब ताहि॥

ईश्वर, जीव के चरित्र, कर्म, चिंतन व संस्कारों के हिसाब से ही उसकी कोटि का निर्धारण करते हैं। यद्यपि हंस व कौवा दोनों जीव ही हैं किंतु विगत कर्मों की सकारात्मकता व नकारात्मकता ही उनके व्यक्तित्व को चारित्रिक दृष्टि से अलग-अलग रूप में परिभाषित करती है। दुर्जन व्यक्ति के चित्त का परिष्करण संभव नहीं है। किंतु सज्जन व्यक्ति सदैव चित्त व चिंतन की शुद्धि में विश्वास कर, स्वयं को परिमार्जित व परिशुद्ध करता रहता है। स्वयं कबीरदास कहते हैं

दाग जो लागा नील का, सौ मन साबुन धोय।
कोटि जतन पर बोधिये, काग हंस न होय॥

पापी, पाप करने के लिए अभिशप्त है; दुष्ट, दुष्टता के लिए और कृतघ्न, कृतघ्नता के लिए। इसलिए किसी की प्रकृति और प्रवृत्ति को, बिना उसकी जिज्ञासा, इच्छा व मनोवृत्ति के बदल पाना, नितांत कठिन है। जीवन की दुर्लभता व समय की उपादेयता का लाभ उठाते हुए कुसंगति के दंश से सदैव बचना चाहिए क्योंकि नीच व्यक्ति का नीच-कर्म से बाज आना संभव नहीं होता। कुसंगति के दुष्प्रभाव से किसका विनाश नही होता? नीचता ग्रहण करने से बौद्धिक चातुर्य समाप्त हो जाता है। संस्कारों की दृढ़ता, व्यक्तित्व को अधिक निर्भय बनाती है। जितना-जिसके सदचिंतन एवं सदकर्म में दम होगा, उतना ही उसका प्रभुत्व अपने पास-परिवेश पर अधिक होगा। फिर कुसंगति का दैत्य उसका बाल-बांका भी नहीं कर सकेगा। यही तो कवि रहीम भी कहते हैं:-

जो रहीम उत्तम प्रकृति, का करि सकत कुसंग।
चंदन विष व्यापत नहीं, लपटे रहत भुजंग॥

एंटीबायोटिक दवाओं का जरूरत पड़ने पर ही करें इस्तेमाल

क्या होता है दवाओं का रेजिस्टेंस

दवाओं, विशेषकर एंटीबायोटिक्स-एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस का मतलब यह है कि जिन बैक्टीरिया-कवक जैसे रोगाणुओं को मारने के लिए उसे डिजाइन किया गया है, वह रोगाणु उसी दवा के साथ अभ्यस्त हो जाएं। ऐसा होने पर अगर आपको कोई संक्रमण होता है और इसके लिए एंटीबायोटिक दवाएं दी जाती हैं तो उससे रोगाणु मरते नहीं हैं बल्कि और बढ़ते रहते हैं। प्रतिरोधी संक्रमण का इलाज मुश्किल और कभी-कभी असंभव हो सकता है। एंटीबायोटिक रेजिस्टेंस विशेष रूप से किसी बैक्टीरिया के प्रतिरोध को संदर्भित करता है। एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस कई प्रकार के बैक्टीरिया, वायरस, कवक और परजीवी का प्रतिरोध माना जाता है।

जिस तरह से कई एंटीबायोटिक दवाओं का दुरुपयोग हो रहा है, हर छोटी-छोटी समस्या में हम खुद से ही बिना किसी डॉक्टरी सलाह के इन दवाओं का सेवन कर रहे हैं, यह हमारे शरीर में इन दवाओं के प्रति रेजिस्टेंस बनाती जा रही है। यही जारी रहा तो एक समय ऐसा आएगा जब हमें किसी संक्रमण को ठीक करने के लिए एंटीबायोटिक दवाओं की सख्त जरूरत होगी पर उस समय ये दवाएं बिल्कुल बेअसर साबित हो सकती हैं। वह दौर किसी तबाही से कम नहीं होगा। हम साइलेंटली एक गंभीर पेंडेमिक की ओर बढ रहे हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) कई बार वैश्विक मंचों से यह चिंता जता चुका है। इसलिए हमेशा किसी विशेषज्ञ डॉक्टर की सलाह से ही दवा लें। बिना प्रिस्क्रिप्शन ओवर-द-काउंटर, इंटरनेट-यूट्यूब से देखकर न तो खुद डॉक्टर बनें, न ही खुद से दवा लेना शुरू करें। दवाएं जितने फायदे के लिए बनी हैं, दुरुपयोग की स्थिति में इससे कहीं ज्यादा नुकसानदायक भी हो सकती हैं। संक्रामक रोगों के प्रमुख डॉ. आरोन ग्लैट कहते हैं, एंटीबायोटिक रेजिस्टेंस आधुनिक चिकित्सा की प्रमुख चिंताओं में से एक है। अगर समय रहते इसपर ध्यान नहीं दिया गया तो इसमें कोई दो राय नहीं है कि हमें आने वाले दशकों में जानलेवा तबाही से दो-चार होना पड़े।

दवाओं का रेजिस्टेंस है जानलेवा

जब रोगी के रक्त में क्लेबसिएला नामक घातक बैक्टीरिया हो जाता है तो एंटीबायोटिक दवाइयों का भी आश्चर्यजनक रूप से कोई असर ही नहीं होता है क्योंकि यह बैक्टीरिया अधिकांश उपलब्ध एंटीबायोटिक दवाओं के लिए प्रतिरोधी है। इसलिए रोगी पर किसी भी प्रकार की दवाई का कोई असर नहीं होता है और इससे उस रोगी की मौत भी हो सकती है। रिपोर्ट्स बताते हैं कि दवाओं के प्रतिरोधी बैक्टीरिया का अनुपात बढ़ता जा रहा है। भारत में कम से कम सात लाख लोग इस समस्या से जूझ रहे हैं। दुनियाभर में 2050 तक दस मिलियन से अधिक लोगों के मौत की आशंका जताई गई है।

क्यों हो रही है ऐसी समस्या?

सेंटर फार डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन (सीडीसी) विशेषज्ञ कहते हैं, वैश्विक स्तर पर एंटीमाइक्रोबियल्स के अत्यधिक और अनुचित उपयोग के कारण प्रतिरोध पैदा हो गया है। सीडीसी का अनुमान है कि क्लीनिकों और आपातकालीन विभागों में जितने लोगों को एंटीबायोटिक्स दिए जाते हैं उनमें से 28 फीसदी की इसकी आवश्यकता नहीं होती है। इसके अलावा लोगों का खुद से या फिर इंटरनेट से देखकर दवाओं का सेवन करना इस समस्या को बढ़ा रहा है। हर शरीर की बनावट और आवश्यकताएं अलग हैं, सभी के लिए एक ही तरह की दवाएं काम करें यह जरूरी नहीं है।

जहां जरूरत नहीं वहां भी हो रहा है इस्तेमाल

हमें ध्यान रखना होगा कि एंटीबायोटिक्स सिर्फ बैक्टीरियल संक्रमण के लिए हैं वायरल नहीं। सर्दी-जुकाम में भी कई लोग खुद से एंटीबायोटिक्स लेने लगते हैं जबकि यह वायरल संक्रमण के कारण होता है और इसपर इन दवाओं का कोई असर नहीं है। इंटरनेट-यूट्यूब देखकर खुद डॉक्टर बनना, परिवार में किसी को अगर कोई दवा फायदा की है, वही खुद से भी लेना शुरू कर देना ये सब बहुत गंभीर स्थिति है। सिर्फ एंटीबायोटिक्स ही नहीं कई और भी दवाओं के भी रेजिस्टेंस बनते मरीजों में देखे जा रहे हैं।

हंसना मना है

तीसरी क्लास का बच्चा (टीचर से) - मैडम मै आपको कैसा लगता हूं? मैडम- सो स्वीट, बच्चा- तो मैं अपने मम्मी पापा को कब भेजूं आपके घर? मैडम- क्यों? बच्चा- बात आगे बढ़ाने के लिये! मैडम - ये क्या बकवास है? बच्चा - ट्यूशन के लिए! क्या मैडम आप भी ना कसम से व्हाट्सएप पढ़-पढ़कर बिगड़ गई हो।

गुरुजी- ऐसा कौन सा स्तनधारी प्राणी है, जो आकाश मे उड़ता है , पर जमीन पर ही बच्चे को जन्म देता है? पूरी क्लास में सन्नाटा हो गया, ऐसे में आखरी बेंच पे बैठा पप्पू बोला-सर, एअरहोस्टेस, गुरुजी बेहोश हो गए, होश आने पर उन्होने स्वेच्छिक रिटायरमेंट ले लिया है।

प्राइमरी क्लास में मास्टर साहब गणित सिखा रहे थे, मास्टर साहब-बेटा, मान लो मैंने तुम्हें 10 लड्डू दिए! पप्पू- क्यों मान लूं आपने तो मुझे एक भी नहीं दिया? मास्टर साहब-अरे मान ले न! मानने में तेरे बाप का क्या जाता है? पप्पू- ठीक है, मास्टर साहब -हां, तो उसमें से 5 तुमने मुझे वापस दे दिए, तो बताओ तुम्हारे पास कितने लड्डू बचे? पप्पू-20 मास्टर साहब-कैसे? पप्पू- मान लीजिए ना! मानने में आपके बाप का क्या जाता है!

कहानी | मुल्ला नसरुद्दीन की दावत

एक बार मुल्ला नसरुद्दीन को पास के शहर से दावत का न्योता मिला। मुल्ला वैसे भी खाने-पीने के शौकीन इंसान थे। मुल्ला ने रोज पहनने वाले कपड़े पहने और दावत के लिए घर से निकल गए। सफर के दौरान उनके कपड़े धूल-मिट्टी से गंदे हो गए। जब वे दावत के लिए पहुंचे तो घर के बाहर पहरा दे रहे दरबान ने उन्हें अंदर जाने से रोक दिया। उन्होंने दरबान से कहा, मैं मुल्ला नसरुद्दीन हूं। मैं इस दावत का खास मेहमान हूं। दरबान ने हंसते हुए कहा, वो तो दिखाई दे रहा है। फिर दरबान ने कहा, अगर तुम नसरुद्दीन हो, तो मैं खलीफा हूं। यह सुनकर अन्य दरबान जोर-जोर से हंसने लगे। फिर दरबान ने उन्हें वहां से जाने के लिए कहा और दोबारा आने से मना कर दिया। मुल्ला वहां से चले गए। जिस शहर में दावत थी, उसी के पास मुल्ला का एक मित्र रहा करता था। वह अपने मित्र के घर चले गए। मुल्ला अपने मित्र से मिलकर खुश हुए। उन्होंने सारी बातें अपने मित्र को बताई। फिर उन्हें याद आया कि उनके मित्र ने उनके लिए एक लाल कढ़ाईदार शेरवानी सिलाई थी, मुल्ला ने अपने मित्र से पूछा कि क्या वह शेरवानी अभी भी आपके पास है? उनके मित्र ने कहा, शेरवानी अभी भी अलमारी में टंगी है। मित्र ने शेरवानी मुल्ला को दे दी। मुल्ला ने मित्र का शुक्रिया किया और शेरवानी पहनकर दावत के लिए निकल गए। इस बार जब दरवाजे पर पहुंचे, तो दरबान ने उन्हें सलाम किया और बाइज्जत दावतखाने तक ले गया। मुल्ला के स्वागत में बड़े-बड़े लोग खड़े थे। फिर मुल्ला को खास मेहमान की कुर्सी पर बैठाया गया। उनके बैठने के बाद ही बाकी सभी मेहमान बैठे। सभी की नजर मुल्ला पर ही थी। मुल्ला को खाने में सबसे पहले शोरबा परोसा गया। मुल्ला ने शोरबा उठाया और अपनी शेरवानी पर उड़ेल दिया। यह देख सब हैरान रह गए। एक ने उनसे पूछा, आपकी तबियत तो ठीक है न? जब सब ने बोलना बंद कर दिया तब मुल्ला ने अपनी शेरवानी से कहा, उम्मीद है कि तुम्हें शोरबा लजीज लगा होगा। अब तुम्हें समझ में आ गया होगा कि दावत पर मुझे नहीं, बल्कि तुम्हें बुलाया गया था।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आज आपको आर्थिक मामलों में अतिरिक्त सावधानी बरतने की जरूरत है। भाग्य पक्ष कमजोर लग रहा है। किसी को दिल दुखाने वाली बात न कहें।

वृषभ

आप अपनी लाइफ में कुछ बदलाव करने की कोशिश करेंगे, जो आपके भविष्य के लिए फायदेमंद होगा। आज क्षिमें लगेगा। आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी।

मिथुन

आज का दिन सेहत का ध्यान रखने वाला दिन है क्योंकि आप मानसिक और शारीरिक दोनों रूप से कमजोर और थकावट महसूस करेंगे।

कर्क

आज आप नए विचारों से परिपूर्ण रहेंगे। अपने आत्मविश्वास को बनाएं रखें इससे आप मजबूत रहेंगे। अपने खर्चों पर नियंत्रण रखें आप थोड़े भावुक हो सकते हैं।

सिंह

किसी दूसरे का उत्साह देखकर आप उत्साहित होंगे। इस राशि के स्टूडेंट्स किसी नये कोर्स में एडमिशन लेना का मन बनायेंगे। दाम्पत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी।

कन्या

आप अपने जीवन साथी पर पूरा ध्यान लगाएंगे, जिससे आपका रिश्ता मजबूत रहेगा। व्यापार के दृष्टिकोण से भी दिन अच्छा रहने वाला है ।

तुला

अपने क्रोध पर नियंत्रण करें नहीं तो यह आपके लिए हानिकारक हो सकता है। आप नए संपर्क स्थापित कर पाएंगे। दोस्त सहयोग करेंगे। निजी मसलों पर भी नियंत्रण रखना होगा।

वृश्चिक

आपको पैसों से जुड़ा कोई अच्छा सुझाव मिलेगा। किसी जरूरी कामकाज को निपटाने में आज आप सफल रहेंगे। नई जगह निवेश करना चाह रहे है तो थोड़ा रूक जाये।

धनु

मानसिक रूप से कुछ तनाव महसूस करेंगे और यह तनाव सेहत पर भी असर डालेगा, जिससे कमजोरी का एहसास और पेट में दर्द जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

मकर

व्यापारिक निर्णय लेने में आसानी रहेगी। अपनी योग्यता को साबित करने के लिए बेहतर काम करेंगे। आपके मान-सम्मान में वृद्धी होगी। बच्चों को लेकर थोड़ा चिंतित रहेंगे।

कुम्भ

परिवार वालों का पूरा सपोर्ट मिलेगा। आज आप रोजगार के मामले में किसी व्यक्ति से फ़ोन पर सलाह लेंगे। आज आपकी सेहत तंदरुस्त बनी रहेगी।

मीन

सेहत अच्छी रहेगी। दिमाग में कुछ अच्छे विचार आएंगे, जो आपके व्यापार और आपकी निजी जिंदगी के लिए बहुत अच्छे होंगे। खुद पर भरोसा रखें।

बॉलीवुड | मन की बात

अपने ऊपर लग रहे इल्जाम पर करन जौहर ने शायराना अंदाज में दिया जवाब

हिंदी फिल्म इंडस्ट्री के फेमस डायरेक्टर करण जौहर आए दिन किसी न किसी विवाद से जुड़े रहते हैं। जब से प्रियंका चोपड़ा ने बॉलीवुड के घिनौने सच को उजागर किया है, तब करण और ज्यादा ट्रोल हो रहे हैं। अपने ऊपर लग रहे इन इल्जामों का अब करण ने शायराना अंदाज में जवाब दिया है। करण जौहर ने देर रात इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक नोट शेयर किया। करण ने लिखा-लगा लो इल्जाम... हम झुकने वालों में से नहीं, झूठ का बन जाओ गुलाम, हम बोलने वालों में से नहीं, जितना नीचा दिखाओगे, जितना आरोप लगाओगे, हम गिरने वालों में से नहीं, हमारा कर्म हमारी विजय है, आप उठा लो तलवार, हम मरने वालों में से नहीं।

पुराने वीडियो में करण जौहर ने इस बात को माना था कि वह अनुष्का शर्मा का करियर तबाह करना चाहते थे। करण वीडियो में बताया कि रब ने बना दी जोड़ी में जब आदित्य चोपड़ा एक्ट्रेस को कास्ट करना चाहते थे तो करण जौहर ने मना किया था। करण ने कहा था कि, तुम पागल हो जो अपनी फिल्म में इसे साइन कर रहे हो। इसके बाद करण को ये सब सोचने के लिए अफसोस भी था।

प्रियंका चोपड़ा ने बिना किसी का नाम लिए बॉलीवुड को लेकर कई बातें कहीं थी। उन्होंने कहा था कि बॉलीवुड में बहुत पॉलिटिक्स होती है। एक वक्त था जब बॉलीवुड में उन्हें किनारा किया गया था और इन सब से तंग आकर वह हॉलीवुड में काम करने चली गई थीं।

उर्फी जावेद का फिर छलका दर्द, बोलीं-

पापा बेहोश होने तक मुझे पीटते रहते थे

उर्फी जावेद जान पहचाना नाम बन चुकी हैं। अपने पैशन को उर्फी ने अपना करियर बनाया और आज वह दुनियाभर में फेमस हैं। उर्फी बातों और कपड़ों से काफी बोल्ड हैं। हालांकि, वह हमेशा से ऐसी नहीं थीं। उनका बचपन काफी बुरी यादों से भरा है। पापा के बुरे बर्ताव के बारे में वह कई बार बात कर चुकी हैं। एक बार फिर उन्होंने बताया है कि उन्होंने कैसे अपने पिता के टॉर्चर से लेकर करियर बनाने तक का मुश्किल सफर तय किया है।

हाल ही में, उर्फी जावेद ने मीडिया के साथ बातचीत की। एक्ट्रेस ने यहां अपनी दर्दभरी कहानी बयां की है। उर्फी ने बताया कि कैसे बचपन से ही उनको फैशन में दिलचस्पी थी। उनके पिता हर रोज टॉर्चर करते थे। एक्ट्रेस को सुसाइड करने के ख्याल आने लगे थे। उर्फी ने कहा, मैं लखनऊ में क्रॉप टॉप के ऊपर जैकेट पहनती थी, वहां लड़कियों को इस तरह कपड़े पहनने की परमीशन नहीं थी। पापा अब्यूसिव थे, वह मुझे तब तक मारते थे, जब तक कि मैं होश नहीं खो देती थी।

मुंबई में अपना घर खरीदेंगी उर्फी

उर्फी जावेद ने बताया कि वह परेशान होकर 17 साल की उम्र में घर से भागकर दिल्ली आ गई थीं। एक्ट्रेस ने कहा, मैं बिना पैसे ही घर से भाग गई। मैं ट्यूशन लेती थी और कॉल सेंटर में जॉब भी करती थी। इस बीच पिता ने हमारी फैमिली को छोड़ दिया था। मैं अपनी मां से मिली। मैं मुंबई आ गई और डेली सोप में छोटे-मोटे रोल किए। फिर मुझे बिग बॉस में आने का मौका मिला और मुझे पहचान मिली। मुझे हमेशा से फैशन पसंद था। फिर मैंने इसे चुना और मैं ट्रोल होने लगी। अब बस मुझे अपना घर खरीदना है।

बॉलीवुड | मसाला

शर्ट उतार हसीनाओं संग ठुमके लगाने पर ट्रोल हुए अक्षय कुमार

अक्षय कुमार के किस्मत के सितारे इन दिनों गर्दिश में चल रहे हैं। एक्टर की बैक-टू-बैक फिल्में फ्लॉप हो रही हैं। वहीं, अब अक्षय अपने एक वीडियो को लेकर ट्रोल्स के निशाने पर आ गए हैं, जिसमें उनकी एक हरकत पर नेटिजन्स उन्हें जमकर लताड़ लगाते नजर आ रहे हैं।

अक्षय कुमार का एक वीडियो इंटरनेट जगत में ताबड़तोड़ वायरल हो रहा है। इस क्लिप में एक्टर, सोनम बाजवा और मौनी रॉय के साथ स्टेज पर ठुमके लगाते देखे जा रहे हैं। यूं तो यह मस्ती भरा माहौल सितारों के फैंस को काफी पसंद आ रहा है, लेकिन नेटिजन्स को अक्षय का यह अंदाज बिल्कुल रास नहीं आया है।

दरअसल, वीडियो में एक्टर शर्टलेस होकर थिरकते देखे जा रहे हैं, जिसपर ट्रोल्स का गुस्सा फूट पड़ा है। बताते चलें कि यह वायरल वीडियो द एंटरटेनर्स टूर 2023 का है, जिसमें अक्षय के साथ-साथ मौनी रॉय, सोनम बाजवा, नोरा फतेही और दिशा पटानी भी हिस्सा लेने पहुंची हैं। वीडियो में शर्टलेस अक्षय टूर की खूबसूरत हसीनाओं के साथ अपनी कातिलाना चाल दिखा रहे हैं, लेकिन ऐसा करने पर ट्रोल्स ने एक्टर को अश्लील का टैग दे दिया है। राउडी राठौर के वायरल वीडियो पर प्रतिक्रिया देते हुए एक यूजर ने लिखा है, 59 साल के शर्टलेस अंकल को 23-24 साल की लड़कियों के साथ डांस करते और सिर्फ एंटरटेनिंग बने रहने के लिए क्रीप स्टेप्स करते देखना कितना अजीब लगता है।

अजब-गजब | ऑस्ट्रेलिया में मौजूद है पाताल लोक

जमीन के अंदर बने हैं घर और बस्ती

ऐसा कहा जाता है कि धरती के नीचे पाताल लोक बसा है। अगर ऐसा है तो वहां कौन रहते हैं, हममें से कोई नहीं जानता। लेकिन आज हम आपको धरती पर मौजूद असल पाताल लोक के बारे में बताने जा रहे हैं। जहां पर न सिर्फ लोग रहते हैं, बल्कि वहां होटल भी मौजूद हैं। इन होटल्स में दुनियाभर से आने वाले टूरिस्ट रुक सकते हैं। क्या आप जानना चाहते हैं कि कहां है ये पाताल लोक? कैसे जा सकते हैं यहां?

दरअसल, ये ऑस्ट्रेलिया में स्थित है, जिसका नाम कूबर पेडी है। जी हां, इसे धरती का पाताललोक कहा जाता है। इस जगह पर आपको ज्यादातर घर जमीन के अंदर मिलेंगे। जमीन के ऊपर बने घरों की तुलना में अंडरग्राउंड घरों की संख्या काफी ज्यादा है। अब आप सोच रहे होंगे कि जमीन की खुदाई कर अंदर घर बनाने का झंझट लोगों ने क्यों लिया? दरअसल, इस जगह पर आपल की कई खदानें है। इन खदानों के लिए ही जमीन के नीचे खुदाई की जाती थी। खुदाई करते हुए जब तब ये इन खदानों में ही रहने लगते थे। इसी तरह धीरे-धीरे जमीन के नीचे कई घर बन गए और अब तो ये उनका परमानेंट एड्रेस हो गया है। इस गांव में ना सिर्फ घर, बल्कि दुकानें, चर्च, मॉल से लेकर होटल्स भी सब के सब अंडरग्राउंड हैं। यानी अगर आप यहां कोई चीज डिलीवर करवाएंगे, तो आपको पाताललोक का एड्रेस लिखना पड़ेगा।

अगर आपको ऐसा लग रहा है कि चूंकि ये गांव अंडरग्राउंड है, तो यहां सुविधाओं की कमी होगी, तो आप बिलकुल गलत हैं। इस गांव में आपको सारी सुविधाएं मिल जाएंगी। अंदर सारे घर, होटल्स वेल फर्निश्ड हैं। इस सो कॉल्ड पाताललोक में करीब पंद्रह सौ घर हैं। ये जगह दुनिया की नजरों से छिपी नहीं है। इस जगह पर अभी तक कई फिल्मों की भी शूटिंग हो चुकी है। इस अंडरग्राउंड गांव को बसाने का एक खास लॉजिक है। दरअसल, ये एरिया रेगिस्तान है। ऐसे में यहां भीषण गर्मी पड़ती है। लोगों के लिए यहां रहना काफी मुश्किल हो जाता था। इस वजह से घरों को जमीन के अंदर बनाया जाने लगा, ताकि वहां लोगों को ठंडक महसूस हो। इस तरह धीरे-धीरे एक से दो घर और फिर तो पूरा गांव ही अंडरग्राउंड हो गया।

ये है दुनिया का सबसे छोटे कुत्ता, इतना स्लिम की जेब में भी आ जाए, वजन सिर्फ आधा किलो

कुछ दिनों पहले ही आपने दुनिया के सबसे बुजुर्ग कुत्ते के बारे में जाना था। बोबी नाम के इस डॉग की उम्र 30 साल 266 दिन तब बताई गई थी। आज हम आपको दुनिया के सबसे छोटे कुत्ते के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसका नाम गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज किया गया है। यह इतना छोटा है कि आप इसके अपनी जेब या हैंडबैग में भी लेकर चल सकते हैं। गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड के मुताबिक, पर्ल नाम का यह कुत्ता चिहुआहुआ प्रजाति का है। 1 सितंबर, 2020 को पैदा हुए पर्ल की ऊंचाई महज 9.14 सेंटीमीटर (3.59 इंच) और लंबाई 12.7 सेंटीमीटर (5.0 इंच) है। इसका मतलब है कि वह एक पॉप्सिकल से छोटी है और लगभग एक डॉलर के नोट की लंबाई के बराबर है। अभी इसका वजन सिर्फ 553 ग्राम (1.22 पाउंड) है। यह जानना और भी दिलचस्प है कि पर्ल चिहुआहुआ डॉग मिरेकल मिली की रिश्तेदार है, जिसने इससे पहले दुनिया का सबसे छोटा कुत्ता होने का विश्व रिकॉर्ड अपने नाम किया था। मिली की तरह पर्ल भी जन्म के समय महज 28 ग्राम की थी। पर्ल की मालिक वैनेसा सेमलर ने हाल ही में एक इतालवी टीवी शो लो शो देई रिकॉर्ड पर इसे दुनिया के सामने पेश किया। तब सेमलर ने कहा, हम बेहद खुशनसीब हैं कि हमारे पास दुनिया का सबसे छोटा डॉगी है। इस खबर को शेयर करने का हमारे पास अनूठा अवसर है। पर्ल के रिकॉर्ड को सत्यापित करने के लिए, ऑरलैंडो के क्रिस्टल क्रीक एनिमल हॉस्पिटल में अलग-अलग अंतराल पर उसकी ऊंचाई को तीन बार मापा गया। गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स के अनुसार, पहला माप उसके सामने के पैर के आधार से एक ऊर्ध्वाधर रेखा में कंधों के ऊपर तक लिया गया था। जो चीज पर्ल को खास बनाती है, वह है उसका शांत स्वभाव, जो अन्य चिहुआहुआ से अलग है। अन्य चिहुआहुआ प्रजाति के कुत्ते आमतौर पर चंचल होते हैं।

मैं अपराधी या आतंकवादी नहीं हूं : इल्तिजा मुफ्ती

» महबूबा मुफ्ती की बेटी का पासपोर्ट दो साल के लिए जारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जम्मू। जम्मू कश्मीर के पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती की बेटी इल्तिजा को दो साल के लिए पासपोर्ट जारी किए जाने के एक दिन बाद कहा कि वह आतंकवादी या अपराधी नहीं हैं। जम्मू-कश्मीर पुलिस के आपराधिक जांच विभाग (सीआईडी) द्वारा एक प्रतिकूल रिपोर्ट के बाद पासपोर्ट के लिए उसके आवेदन को मंजूरी नहीं मिलने के बाद उन्होंने फरवरी में जम्मू-कश्मीर उच्च न्यायालय का रुख किया था। उनके पासपोर्ट की अवधि 2 जनवरी को समाप्त हो गई थी और उसने पिछले साल 8 जून को नए सिरे से आवेदन किया था।

अदालत ने क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय (आरपीओ) को मामले को देखने का निर्देश दिया। इसके बाद इल्तिजा उच्च अध्ययन के लिए जाना चाहती हैं। उनका कहना है कि उनको एक पासपोर्ट जारी किया गया है जो 5 अप्रैल, 2023 से 4 अप्रैल, 2025 तक वैध है। आरपीओ द्वारा अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल को

लिखे एक पत्र के अनुसार कश्मीर के क्षेत्रीय पासपोर्ट अधिकारी दविंदर कुमार और सीआईडी ने न्यायपालिका को गुमराह किया है। मुझे जारी किया गया पासपोर्ट दो साल का पासपोर्ट है और यह स्पष्ट रूप से उल्लेख किया गया है कि यह केवल संयुक्त अरब अमीरात के लिए वैध है। कहा कि वह एक भारतीय नागरिक और कानून का पालन करने वाली हैं। कोई कानून नहीं तोड़ा है। इल्तिजा ने दावा किया कि यहां तक कि दो साल का पासपोर्ट जारी करने के लिए भी मेरे खिलाफ सरकारी गोपनीयता अधिनियम लागू किया गया है। यह अधिनियम आमतौर पर जासूसी के लिए लागू किया जाता है।

विदेश यात्रा एक मौलिक अधिकार

इल्तिजा ने कहा, मैं किरण पटेल की तरह भगोड़ा या ठग नहीं हूं। पीडीपी प्रमुख की बेटी ने आरोप लगाया कि उनके साथ एक शातिर अपराधी की तरह व्यवहार किया जा रहा है। अपनी याचिका वापस लेने के दबाव के बावजूद अदालत में अपना केस लड़ती रहेंगी। डिप्टी सॉलिसिटर जनरल ताहिर माजिद शम्सी ने अदालत से मेरी याचिका को खारिज करने के लिए कहा है क्योंकि मुझे पासपोर्ट जारी किया गया है। लेकिन, यह कौन सा पासपोर्ट है? उसने दावा किया कि सीआईडी ने अदालत से कहा कि वह उसका पासपोर्ट नहीं रोक रही है और मेरे किसी भी मौलिक अधिकार का उल्लंघन नहीं कर रही है। विदेश यात्रा का अधिकार एक मौलिक अधिकार है और मुझे उस अधिकार से वंचित किया जा रहा है। यह मेरे साथ हो रहा है क्योंकि मैं एक पूर्व मुख्यमंत्री की बेटी हूं। मैं पासपोर्ट की हकदार नहीं हूं क्योंकि महबूबा मुफ्ती मेरी मां हैं। मैं पासपोर्ट की हकदार हूं क्योंकि मैं कानून का पालन करने वाली नागरिक हूं। पूछा कि क्या उनके खिलाफ कोई प्राथमिकी दर्ज की गई है या क्या उनके खिलाफ कोई आरोप है कि उन्हें इस अधिकार से वंचित किया जा रहा है।

चुनाव आयोग के फैसले को अदालत में चुनौती दे सकती है टीएमसी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली।राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा छिनने के बाद ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस, चुनाव आयोग के फैसले को अदालत में चुनौती देने पर विचार कर रही है। इसके लिए पार्टी फिलहाल विकल्पों की तलाश कर रही है।

बता दें कि चुनाव आयोग ने अपने एक फैसले में तृणमूल कांग्रेस, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी और कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (सीपीआई) का राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा छीन लिया। चुनाव आयोग के इस फैसले पर टीएमसी ने अभी तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी है लेकिन पार्टी नेताओं का कहना है कि टीएमसी इस फैसले को कानूनी तौर पर चुनौती देने के विकल्प तलाश रही है।

लोग जान चुके हैं टीएमसी सबसे भ्रष्ट : भाजपा

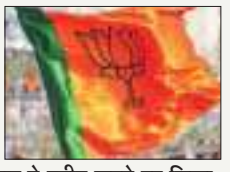

वहीं टीएमसी के राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा छिनने पर भाजपा ने तंज कसा है। पश्चिम बंगाल भाजपा के अध्यक्ष सुकांता मजूमदार ने ट्वीट करते हुए लिखा, टीएमसी का राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा छिन गया है और अब वह एक क्षेत्रीय पार्टी है। दीदी की टीएमसी को बड़ा बनाने की कोशिशें पूरी नहीं हो पा रही हैं क्योंकि लोग जान चुके हैं कि टीएमसी सबसे भ्रष्ट, तुष्टीकरण करने वाली और आतंक फैलाने वाली सरकार की पार्टी है। इसकी सरकार भी गिरनी तय है क्योंकि पश्चिम बंगाल के लोग इस सरकार को लंबे समय तक बर्दाश्त नहीं करेंगे।

हमेशा सरकार की तारीफ नहीं करनी चाहिए : जयराम रमेश

» कांग्रेस ने उपराष्ट्रपति पर निशाना साधा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस ने उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के उस बयान को लेकर उन पर पलटवार किया कि विदेश यात्रा पर जाते समय लोगों को अपना राजनीतिक चश्मा देश में छोड़ देना चाहिए. कांग्रेस ने कहा कि राज्यसभा के सभापति को निष्पक्ष होना चाहिए और हमेशा सरकार का गुणगान नहीं करना चाहिए।

विश्व होम्योपैथी दिवस पर यहां आयोजित एक समारोह में धनखड़ ने कहा

कि भारत 2047 में अपनी आजादी की शताब्दी की नींव रख रहा है, ऐसे में देश की गरिमा पर हमला करने की हर कोशिश को कुंद किया जाना चाहिए।उपराष्ट्रपति की सलाह पर पलटवार करते हुए कांग्रेस के महासचिव जयराम रमेश ने ट्वीट किया, पहले आप उनको यह सलाह दीजिए जिन्होंने इस प्रथा को 2015 में शुरू किया था, फिर प्रवचन दीजिए उन्होंने कहा,दूसरी बात, सभापति महोदय को निष्पक्ष होना चाहिए, हमेशा सरकार का गुणगान नहीं करना चाहिए।

फिर प्रयागराज लाए जाएंगे अतीक-अशरफ

» साबरमती जेल पहुंची यूपी पुलिस, मांगेगी रिमांड

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। प्रयागराज में हुए उमेश पाल हत्याकांड में अदालत से मिले बी वारंट को पुलिस ने साबरमती जेल में पिछले दिनों तामील कराया था। अब माफिया अतीक अहमद को प्रयागराज लाकर अदालत में पेश करने के साथ ही कस्टडी रिमांड पर लेकर साजिश के बारे में भी पूछताछ की जाएगी।

अतीक को प्रयागराज लाने के लिए पुलिस की टीम गुजरात की साबरमती जेल पहुंची है। इस जेल में अतीक को हाई सिक्योरिटी बैरक में रखा गया है। साथ ही उस पर कड़ी निगरानी भी की जा रही है।

पप्पलप्रीत ने उगला राज

» कहा- अमृतपाल ने कई जगहों की थी यात्रा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। खालिस्तानी समर्थक अमृतपाल सिंह के करीबी पप्पलप्रीत सिंह को पंजाब पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। अब पुलिस उससे अमृतपाल को लेकर पूछताछ कर रही है। उसने पुलिस को ये भी बताया है कि वह इतने लंबे समय तक अधिकारियों से कैसे बचते रहा। पप्पलप्रीत सिंह को वारिस पंजाब दे के प्रमुख अमृतपाल सिंह का दाहिना हाथ कहा जाता है।

42 वर्षीय पप्पलप्रीत कट्टरपंथी सिख नेता के साथ तब से काम कर रहा था जब वह 2022 में दुबई से लौटा था। उसने खुलासा किया कि उसने हरियाणा और

पंजाब लौटने से पहले हरियाणा, पटियाला, दिल्ली और पीलीभीत सहित विभिन्न स्थानों की यात्रा की थी। मीडिया रिपोर्ट में कहा गया है कि उसने सभी ठिकाने की व्यवस्था करने की बात कबूल की और दोनों ने कारों, बसों का इस्तेमाल किया।

लखनऊ सुपर जाएंट्स की तीसरी जीत, शीर्ष पर पहुंचा

आरसीबी को एक विकेट से हराया

पूरन ने लगाया सीजन का सबसे तेज अर्धशतक

आखिरी तक रोमांच

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरु। लखनऊ सुपर जाएंट्स ने रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर को एक विकेट से हराकर टूर्नामेंट में तीसरी जीत हासिल कर ली है। इस जीत के साथ ही यह टीम अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंच गई है। लखनऊ सुपर जाएंट्स ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया और आरसीबी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए लखनऊ के सामने 213 रन का लक्ष्य रखा। इसके जवाब में लखनऊ ने नौ विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया।

हर्षल की पहली गेंद पर उनादकट ने एक रन लिया। दूसरी गेंद पर मार्क वुड क्लीन बोल्ड हो गए। तीसरी गेंद पर रवि बिश्नोई ने दो रन ले लिए। चौथी गेंद पर उन्होंने एक रन लेकर मैच को टाई कर दिया। लखनऊ को दो गेंद पर एक रन चाहिए थे और उसके पास दो विकेट थे। हर्षल ने पांचवीं गेंद पर जयदेव उनादकट को कप्तान फाफ डुप्लेसिस के हाथों कैच करा दिया। अब एक गेंद पर एक रन की आवश्यकता थी। अगर रन नहीं बनते या विकेट गिर जाते तो मुकाबला टाई हो जाता है। ऐसे में सुपर ओवर से मैच का फैसला होता। हर्षल की गेंद को आवेश खान नहीं खेल पाए, लेकिन उन्होंने किसी तरह एक रन पूरा कर कर लिया। लखनऊ को बाई के रूप में एक रन मिला और उसने मैच को एक विकेट से अपने नाम कर लिया।

गंभीर ने आरसीबी के फैंस को किया खामोश

लखनऊ की टीम के जीतने पर उसके सभी खिलाड़ी डगआउट से मैदान की ओर दौड़ पड़े। आवेश खान और रवि बिश्नोई ने जमकर जश्न मनाया। इसके बाद जब दोनों टीमों के खिलाड़ी और स्टाफ एक-दूसरे से हाथ मिला रहे थे तो गंभीर के सामने कोहली पड़े। उन्होंने विराट को कुछ कहा और फिर आरसीबी के फैंस की ओर देखने लगे। उन्होंने अपने मुंह पर एक अंगुली रखकर आरसीबी के फैंस को खामोश रहने का इशारा किया। गंभीर का यह अंदाज सोशल मीडिया पर वायरल हो गया।

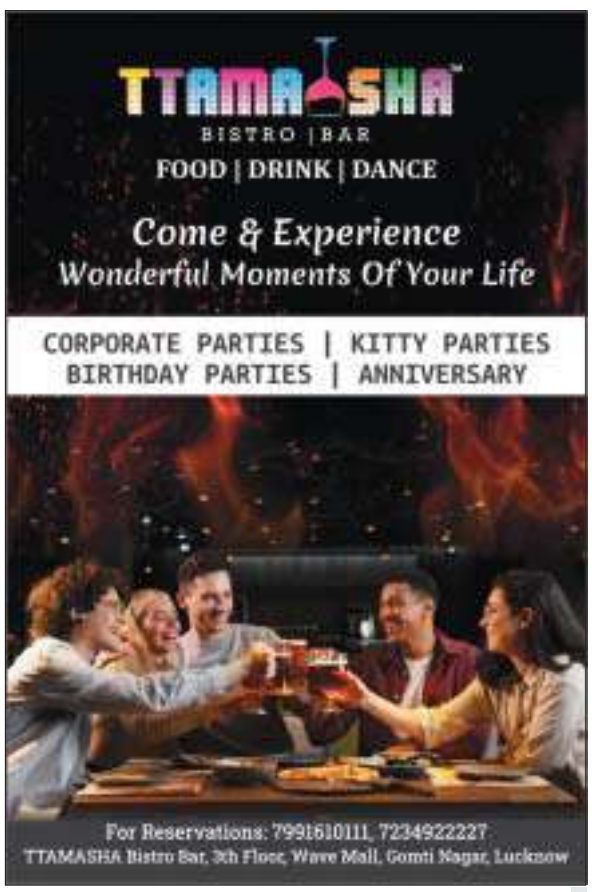

लोकतंत्र के हर खंभे को नष्ट कर रहे मोदी : सोनिया

लेख में सोनिया ने सरकार पर बोला हमला : जनता चुप नहीं बैठेगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस संसदीय पार्टी की मुखिया सोनिया गांधी को लगता है कि सरकार लोकतंत्र से घृणा करती है। उन्होंने इसे चिंताजनक बताते हुए एक लेख लिखा है। एक अखबार के संपादकीय पेज पर छपे लेख में सोनिया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी सरकार ने भारतीय लोकतंत्र की तीनों स्तंभों को सिस्टमैटिक तरीके से नष्ट किया है।

हाल ही में खत्म हुए संसद के बजट सत्र का हवाला देते हुए सोनिया ने लिखा कि बीजेपी सरकार ने विपक्ष को जनता की आवाज उठाने से रोका। सोनिया ने आरोप लगाया कि बीजेपी ने मीडिया को डरा-धमका कर उसकी स्वतंत्रता छीन ली है। केंद्रीय जांच एजेंसियों के दुरुपयोग का मुद्दा उठाते हुए सोनिया ने लिखा है कि बीजेपी में जाने वालों के खिलाफ मुकदमे चमत्कारी रूप से गायब हो जाते हैं। अडानी के मसले पर भी सोनिया ने पीएम मोदी को आड़े हाथों लिया। महंगाई और बेरोजगारी का जिक्र करते हुए सोनिया ने लिखा कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के बजट भाषण में इनपर बात ही नहीं की गई।

एक जैसे विचार वालों से हाथ मिलाएंगे

यूपीए चेयरपर्सन ने लिखा है कि मोदी सरकार न्यायपालिका को नीचा दिखाने में लगी है। उन्होंने केंद्रीय कानून मंत्री किरेन रिजिजू की भाषा पर सवाल उठाए। सोनिया ने लिखा कि बीजेपी और आरएसएस नेताओं के नफरती बयानों पर प्रधानमंत्री चुप्पी साधे रहते हैं। इसी तरह चीन के साथ सीमा विवाद के मसले पर भी सच नहीं बोलते। सोनिया ने लिखा है कि आने वाले दिन काफी अहम है। कांग्रेस पार्टी समान विचारों वाले दलों के साथ हाथ मिलाकर भारत के संविधान की रक्षा के लिए हर कोशिश करेगी।

कांग्रेस ने ट्विटर पर शेयर किया लेख

सोनिया गांधी के लेख को कांग्रेस पार्टी ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल से भी शेयर किया है। कांग्रेस के सीनियर नेताओं समेत कार्यकर्ता भी सोनिया का लेख सोशल मीडिया पर शेयर कर रहे हैं।

तमिलनाडु सरकार को सुप्रीम झटका

एससी ने मद्रास हाईकोर्ट के फैसले को रखा बरकरार, आरएसएस के रूट मार्च को दी अनुमति

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

तमिलनाडु। सुप्रीम कोर्ट ने आरएसएस रूट मार्च के खिलाफ दायर तमिलनाडु सरकार की अपील खारिज कर दी है। बता दें कि राज्य सरकार ने मद्रास हाई कोर्ट के उस आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की थी, जिसमें हाईकोर्ट ने आरएसएस को मार्च निकालने की अनुमति दी थी। गौरतलब है कि मद्रास हाईकोर्ट ने आरएसएस को तमिलनाडु में फिर से निर्धारित तिथि पर अपना मार्च निकालने की इजाजत दे दी थी। उच्च न्यायालय ने कहा था कि विरोध प्रदर्शन मजबूत लोकतंत्र के लिए जरूरी है।

राज्य सरकार के ओर से पेश हुए अधिवक्ता जोसेफ अरस्तू के माध्यम से दायर याचिका में कहा गया है कि इस तरह के आयोजन से राज्य में कानून व्यवस्था की समस्या पैदा होगी। राज्य सरकार ने कहा कि वह संविधान के अनुच्छेद 19 (2) के तहत जनहित में नागरिकों के बोलने की आजादी और सभा करने के मौलिक अधिकारों पर उचित प्रतिबंध लगा सकता है। बता दें कि बीते साल 2 अक्टूबर को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने एक रैली निकालने का एलान किया था।

भाजपा सरकार के भ्रष्टाचार मुक्त शासन की खोलेंगे पोल : अमिताभ

आरोपी आईएएस अफसरों के नाम सार्वजनिक करेगी अधिकार सेना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। अधिकार सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमिताभ ठाकुर ने कहा है कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री और मौजूदा भाजपा सरकार द्वारा भ्रष्टाचार मुक्त शासन और भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टॉलरेंस के दावों की पोल खोलने के लिए अधिकार सेना शीघ्र ही तीन ऐसे आईएएस अफसरों के नाम और उनके कारनामे सार्वजनिक करने वाली है, जिन पर भ्रष्टाचार के अत्यंत गंभीर आरोप लगे हैं, किंतु इसके बाद ही उनके विरुद्ध कोई कार्यवाही नहीं की जा रही है।

अमिताभ ठाकुर ने कहा कि यह तीनों आईएएस अफसर प्रदेश सरकार के अत्यंत ही निकट बताए जाते हैं और दिखते हैं। इनके विरुद्ध अभिलेखों में साक्ष्य सहित भ्रष्टाचार विषयक गंभीर शिकायतें हैं लेकिन उन पर कार्यवाही किए जाने की जगह इन अफसरों को लगातार महत्वपूर्ण दायित्व दिए जाते रहे हैं। उन्होंने कहा कि अधिकार सेना शीघ्र ही इनके नाम और कारनामों को सार्वजनिक कर मौजूदा सरकार की कथनी और करनी के अंतर को जनता के सामने रखेगी।

फोटो :4 पीएम

निरीक्षण कोरोना की मॉक ड्रिल देखने बलरामपुर हॉस्पिटल पहुंचे डिप्टी सीएम बृजेश पाठक

फोटो :4 पीएम

जुलूस लखनऊ मस्जिद ए कुफा से 19वीं रमजान को निकाला गया ग्लीम (कंबल का ताबूत) का जुलूस

कोरोना से डरने की कोई जरूरत नहीं, सतर्क रहें

कोविड वर्किंग ग्रुप के प्रमुख का दावा : नया म्यूटेंट अधिक संक्रामक, पर गंभीर नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। देश में कोरोना के बढ़ते मामलों चिंता पैदा कर दी है। पुराने अनुभवों के कारण लोगों में डर का माहौल है, हालांकि, डॉक्टरों और विशेषज्ञों का कहना है कि कोरोना के बढ़ते आंकड़ों से डरने की कोई जरूरत नहीं है।

एनटीएजीआई के कोविड कार्यकारी समूह के प्रमुख डॉ. एन.के. अरोड़ा का कोविड पर एनडीटीवी के साथ स्पेशल इंटरव्यू में भी इसी बात पर जोर दिया है कि ओमिक्रॉन के एक रूप एक्सबीबी की वजह से मामले बढ़े हैं और इसके बहुत सारे सब-वैरिएंट हैं,अभी जिसे भी संक्रमण हो रहा है वो बहुत हल्का है, 4-5 दिनों में ठीक हो जाता है। गंभीर बीमारी होने की संभावना बहुत कम है। अस्पताल में दाखिले नहीं बढ़े हैं वहीं, कोरोना की वजह से मृत्यु का आंकड़ा भी नहीं बढ़ा है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।